दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अप्रैल-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अप्रैल-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

April-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	05.04.2023	महाविद्यालय	शोध प्रकोष्ठ द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला	1
2.	02.04.2023	बी.एड. विभाग	शैक्षिक भ्रमण	2
3.	06.04.2023	महाविद्यालय	स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण	3
4.	07.04.2023	महाविद्यालय	तीन दिवसीय ऑनलाइन इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स	4–5
5.	08.04.2023	महाविद्यालय	ऑनलाइन इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स का द्वितीय शिविर	5
6.	08.04.2023	महाविद्यालय	ऑनलाइन इण्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स का समापन	6
7.	11.04.2023	महाविद्यालय	कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम	7
8.	13.04.2023	प्राचीन इतिहास विभाग	बेस्ट फैकल्टी अवार्ड से सम्मानित	8–9
9.	19.04.2023	बी.एड. विभाग	शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन	9–10
10.	19.04.2023	शिक्षाशास्त्र विभाग	शैक्षिक भ्रमण	11
11.	21.04.2023	बी.एड. विभाग	सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम	12
12.	21.04.2023	महाविद्यालय	स्वच्छता कार्यक्रम एन.सी.सी.कैडेट्स द्वारा	13–14
13.	21.04.2023	बी.एड. विभाग	योग कार्यशाला का समापन	14

April-2023

'शोध परियोजना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 05.04.2023 को **महाविद्यालय में शोध प्रकोष्ठ द्वारा 'शोध परियोजना'** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें **मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनुभूति दूबे विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** रहीं। प्रो. दूबे ने अपने व्याख्यान में शोध परियोजना को सकुशल ढंग से संचालन के लिये शोध प्रस्ताव में शीर्षक चयन से लेकर के सार संक्षेप भूमिका पृष्ठभूमि, सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा, शोध प्रविधि, आंकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या, परिणाम, निष्कर्ष, शोध का शैक्षिक निहितार्थ, संदर्भ सूची एवं परिशिष्ट आदि पर सम्पूर्ण रूप से प्रकाश डाला।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह द्वारा दिया गया। प्रो. सिंह ने शोध के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के परिवेश में उच्च शिक्षा के शिक्षकों के लिए अध्यापन कार्य के साथ शोध कार्य अवश्यम्भावी है। उन्होंने सभी विभागों के शिक्षकों से शोध प्रस्ताव लिखने का आह्वान किया। **कार्यक्रम की प्रस्ताविकी डॉ. विवेक कुमार शाही, संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा तथा आभार ज्ञापन प्रो. धीरेन्द्र सिंह द्वारा किया** गया।

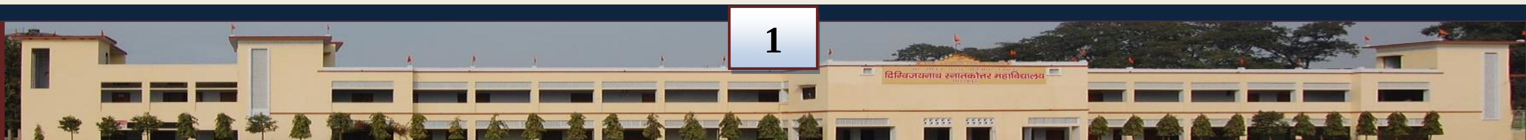

बी० एड० द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षिक भ्रमण का आयोजन

दिनांक 02.04.2023 को महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बी०एड० द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षुओं को नेपाल में स्थित बुटवल एवं उसके आस पास के परिक्षेत्र का भ्रमण कराया गया। सरस्वती यात्रा के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने शैक्षिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक ज्ञान एवं उसके महत्व की जानकारी प्राप्त की । प्रशिक्षुओं ने बुटवल में स्थिति सिद्ध बाबा के मंदिर का दर्शन किया तथा इसके ऐतिहासिक एवं कलात्मक पक्षों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात प्रशिक्षुओं ने रामपिथेकस वनस्पति उद्यान में जाकर उद्यान में पाए जा ने वाले विभिन्न प्रकार के वनस्पतियों के साथ – साथ रामपिथेकस पार्क के ऐतिहासिक महत्व को जाना और वहां स्थित हैंगिंग ब्रिज की तकनीक को जानने के साथ ही उस हैंगिंग ब्रिज का प्रयोग कर घाटी के पार जाकर वहां की प्राकृतिक परिवेश का अवलोकन भी किया ।

April

स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत परास्नातक विद्यार्थियों टैबलेट वितरित

दिनांक 06 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय में युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण के लिए उत्तर प्रदेश शासन की **स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना** के अन्तर्गत **परास्नातक विद्यार्थियों को 331 टैबलेट** वितरित किया गया। इस अवसर पर बतौर **मुख्य अतिथि डॉ. अश्विनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर** थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त करने के लिए 25 दिसम्बर 2021 से शासन की यह महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गयी। प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को तकनीकी के साथ दक्ष बनाने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। अब विद्यार्थियों को अपने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित ई–कॉन्टेन्ट अपलोड करने में सहायता मिलेगी। **विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर** ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी आज के बदलते भारत में डिजिटल इण्डिया के अनुक्रम में आगे बढ़ रहे हैं। इस दिशा में प्रदेश सरकार की यह योजना सराहनीय है। **कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु प्रदेश सरकार यह महत्वाकांक्षी योजना नये भारत के निर्माण में योगदान करेगा। ज्ञान का नवीनतम संस्करण सूचना के रूप में प्रेषित होता है। **कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी. द्वारा एवं संचालन डॉ. त्रिभुवन मिश्रा** द्वारा किया गया।

तीन दिवसीय ऑनलाइन इण्टरनेशनल कान्फ्रेंस का उद्घाटन

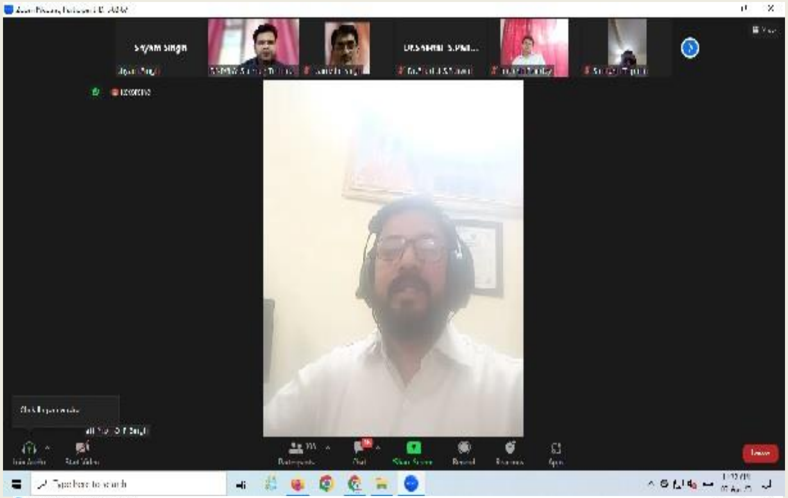

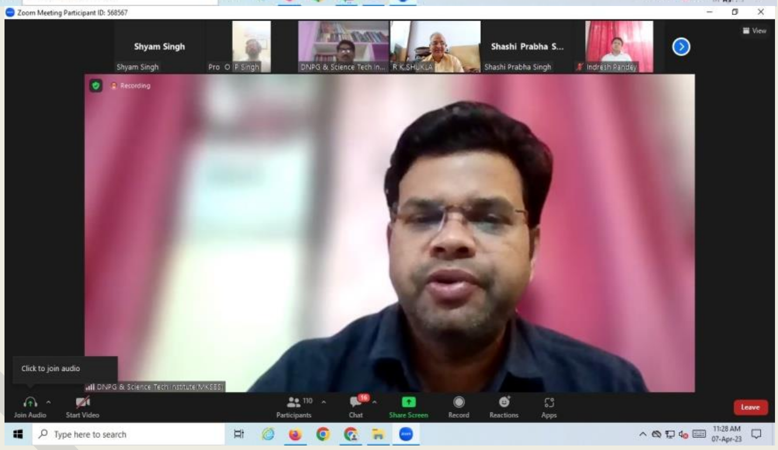

आज दिनांक 07 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 7 से 9 अप्रैल तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस 'एडवान्स इन्टरडिसिप्लीनरी रिसर्च' विषय पर

आयोजित किया गया। विभिन्न पहलू कान्फ्रेन्स के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. एन.बी. सिंह ने "हरे रंग के संश्लेषित चांदी के नैनोकण और उनके अनुप्रयोग" विषय पर बोलते हुए कहा कि नैनोकणों के हरित संश्लेषण ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण महत्व प्राप्त किया है क्योंकि इसमें कई गुण हैं जैसे कि यह सरल, लागत प्रभावी है, नैनोकणों में अच्छी स्थिरता, कम समय की खपत, गैर विषैले उप–उत्पाद, पर्यावरण के अनुकूल और आसानी से हो सकते हैं। बड़े पैमाने पर संश्लेषण के लिए बढ़ाया गया।

द्वितीय सत्र में डॉ. नेहा सिंह ने "कोविड 19 और गर्भावस्था" विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा की गर्भावस्था के दौरान कोविड–19 वाले लोगों में उन जटिलताओं का अनुभव होने की अधिक संभावना होती है जो गर्भावस्था के दौरान कोविड–19 के बिना लोगों की तुलना में उनकी गर्भावस्था और विकासशील बच्चे को प्रभावित कर सकती हैं।

उक्त ऑनलाइन कांफ्रेंस में अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत आइ.क्यू. ए.सी. समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो ओम प्रकाश सिंह ,प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी जी कॉलेज ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए अनुसंधान विषय पर आयोजित ऑनलाइन कांफ्रेंस के आयोजन हेतु महाविद्यालय की आई. क्यू.ए.सी. टीम एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट

की टीम को साधुवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ धर्मेंद्र कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो सरवरी शुक्ला, डॉ एस के सिंह, डॉ के पी शुक्ला सहित कुल 255 शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

ऑनलाइन इण्टरनेशनल कांफ्रेंस का द्वितीय दिवस

दिनांक 08 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय एवं साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 7 से 9 अप्रैल तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस के द्वितीय दिवस पर प्रो. एस. के. शुक्ला ने अनुसंधान के विभिन्न पहलू पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यापक अर्थ में अनुसन्धान किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत गवेषणा करना होता है। वैज्ञानिक अनुसन्धान में वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुए जिज्ञासा का समाधान करने की कोशिश की जाती है। नवीन वस्तुओं की खोज और पुरानी वस्तुओं एवं सिद्धान्तों का पुनः परीक्षण करना, जिससे कि नए तथ्य प्राप्त हो सकें, उसे शोध कहते हैं। शोध उस प्रक्रिया अथवा कार्य का नाम है जिसमें बोधपूर्वक तथ्यों का संकलन कर व्यवस्थित व सावधानीपूर्वक सूक्ष्म बुद्धि से तथ्यों का अवलोकन कर नए तथ्यों या सिद्धांतों का उद्घाटन किया जाता है।

उक्त ऑनलाइन कांफ्रेंस में अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत आइ.क्यू. ए.सी. समन्वयक प्रो.परीक्षित सिंह ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी. जी.कॉलेज ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

ऑनलाइन इण्टरनेशनल कांफ्रेंस का समापन

दिनांक 9 अप्रैल 2023 को तीन दिवसीय सम्मेलन ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च (ICAIR–2023) का समापन हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर सर्वश्रेष्ठ युवा शोधकर्ता, बेस्ट फैकल्टी, सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक, बेस्ट यंग फैकल्टी, सर्वश्रेष्ठ निदेशक, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता एवं बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन और बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन से शिक्षक और शोधकर्ता को सम्मानित किया गया । प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य दिग्विजयनाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गोरखपुर एवं श्रीमती श्वेता सिंह (अध्यक्ष, मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी, लखनऊ) ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम को सफल होने के लिए आयोजकों को बधाई दी।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. परीक्षित सिंह दिग्विजयनाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गोरखपुर ने सभी प्रतिभागियों शोध प्रस्तुति के लिए बधाई दी। सुशील कुमार सिंह (साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ) जी ने कहा की इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय 279 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रो. एस के शुक्ल, डॉ. दिलशाद अहमद अंसारी और डॉ. डी. के. यादव (राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली), डॉ नेहा सिंह सीनियर साइंटिस्ट वायरोलोजी लैब जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज रायपुर उपस्थित रहे।

April

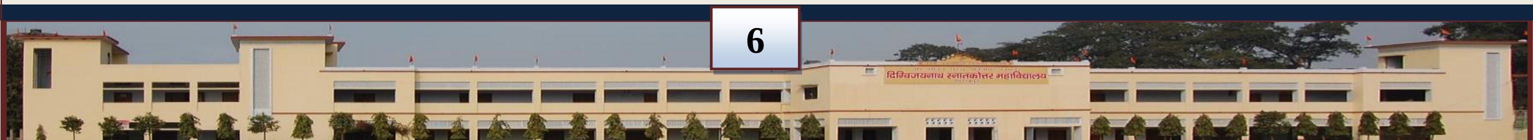

कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम

दिनांक 11.04.2023 को **महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल एवं इनोवेशन सेल के संयुक्त तत्वावधान में कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, एकेडमिक हेड, बालाजी अकादमी थे।**

उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी के क्षेत्र जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में ऑपरेटिंग सिस्टम्स की यदि बात की जाए तो एंड्रॉइड, आईओएस, विंडोज, ब्लैकबेरी आदि नाम ही सामने आते हैं, साथ ही एप्स भी दो तरह के ही हैं जिनमें नेटिव एप्स और मोबाइल वेब–बेस्ड एप्स शामिल हैं।

डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बोलते हुए कहा कि एक एप डेवलपर, मोबाइल यूआई डिजाइनर, यूजर एक्सपीरिएंस व यूजेबिलिटी एक्सपर्ट, एप्लिकेशन डेवलपर या इंजीनियर आदि तीन प्रमुख भूमिकाएं निभाता है। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर विज्ञान विभाग प्रभारी, डॉ पवन कुमार पाण्डेय ने किया। स्वागत श्री मुदित दुबे, असिस्टेंट प्रोफेसर, बी.सी.ए विभाग ने किया एवं आभार ज्ञापन बी.सी.ए विभाग के प्रभारी डॉ हरीशंकर गुप्ता द्वारा किया गया।

April 2023

छात्र संगोष्ठी

दिनांक 13.04.2023 को महाविद्यालय में प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग में 'जलियाँवाला बाग नरसंहार' विषय पर एक छात्र संगोष्ठी आयोजित किया गया। जिसमें **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन** में कहा कि जलियावाँला बाग नरसंहार स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में एक प्रेरणा का कार्य किया और आगे गाँधी जी के नेतृत्व में चलने वाले स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन को एक नवीन दिशा प्रदान की।

इस छात्र संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षक प्रो. शशि प्रभा सिंह, प्रो. धीरेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य धीरज कुमार सिंह, सहायक आचार्य शिव कुमार एवं प्राचीन इतिहास विभाग के छात्र–छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

शिक्षको को बेस्ट फैकल्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया

दिनांक 13.04.2023 गोरखपुर। **महाविद्यालय में साइंस टेक इंस्टीट्यूट लखनऊ द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में अपने विषय में बेहतरीन योगदान देने वाले महाविद्यालय के पांच शिक्षकों को विभिन्न विषयों में बेस्ट फैकल्टी अवार्ड** से सम्मानित किया गया। डॉ. प्रतिमा सिंह को केमिकल साइंस में, डॉ. विभा सिंह को ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस में, डॉ. हिमांशु यादव को लाइफ साइंस में, डॉ. राम प्रसाद यादव को ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस में एवं डॉ. पवन कुमार पाण्डेय को कंप्यूटेशनल साइंस में सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह एवं आइ. क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह उक्त पाँचों शिक्षकों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने उक्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार से अन्य संस्थाओं से एकेडमिक क्षेत्र में शिक्षकों को सम्मान मिलना किसी भी महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है। एकेडमिक क्षेत्र में योगदान देना किसी भी शिक्षक का कर्तव्य होता है और हमारी संस्था एवं शिक्षक आइ.क्यू.ए.सी. के निर्देशन में निरंतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

आइ.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह ने कहा की किसी भी संस्था के नैक मूल्यांकन में शिक्षकों के अवार्ड का बड़ा महत्व है, शिक्षकों के अवार्ड की गणना प्रति वर्ष के आधार पर की जाती है। इसलिए यह अवसर हम सभी के लिए गौरवपूर्ण है।

शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन

दिनांक 19.04.2023 महाविद्यालय के बी.एड. विभाग में शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ० राजेश सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षा विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. शीला सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान विभाग दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर थी। इस अवसर पर डॉ उषा रानी राय पूर्व विभागाध्यक्ष बी० एड० विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर, डॉ सरोज शाही पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर बी० एड० विभाग दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर उपस्थित रहीं। प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

April 2023

शैक्षिक प्रदर्शनी के दौरान बी.एड .विभाग के द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का वर्किंग मॉडल, 1857 की क्रांति, सेव द टाइगर, यूएनओ, लाई–फाई तकनीक का वर्किंग मॉडल, जी 20 में भारत की अध्यक्षता, नई संसद भवन और प्रदूषण से बचाव से सम्बन्धित मॉडलों को पेश किया।

मॉडल का प्रदर्शन करते हुए प्रशिक्षुओं ने अपने मॉडल से संबंधित विभिन्न तथ्यों के बारे में बताया, निरीक्षण करते हुए मुख्य अतिथि डॉ० राजेश सिंह ने और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने प्रशिक्षुओं से उनके मॉडल से सम्बन्धित प्रश्न पूछा और अपने सुझाव दियें।

मुख्य अतिथि ने निरीक्षण के पश्चात प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज की शिक्षा में मूल्य शिक्षा का समावेशन किया जाना अति आवश्यक है। वर्तमान पीढ़ी के शिक्षकों को आज के परिवेश के लिए छात्रों को मूल्य शिक्षा से जोड़ना एक बड़ी जिम्मेदारी है। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओम प्रकाश सिंह ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास में इस प्रकार की शैक्षिक प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसके माध्यम से छात्रों में रचनात्मकता प्रवृत्ति विकसित होती है। शैक्षिक प्रदर्शनी में लाई–फाई तकनीकी के वर्किंग मॉडल को प्रथम स्थान, रेन वाटर हार्वेस्टिंग के वर्किंग मॉडल तथा जी 20 में भारत की अध्यक्षता के मॉडल को द्वितीय स्थान; 1857 की क्रान्ति, नई संसद भवन तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के मॉडल को तृतीय स्थान; सेव द टाइगर एवम प्रदूषण से बचाव के मॉडल को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ।

April-2023

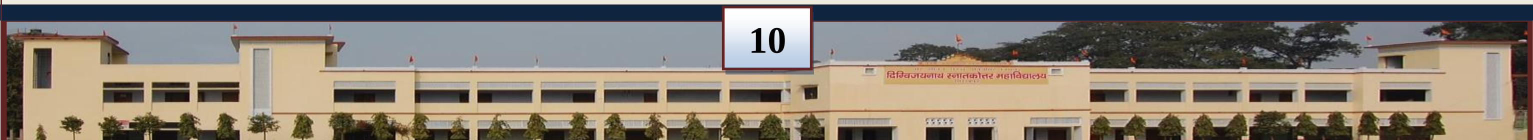

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शैक्षिक अभिवृत्ति के सर्वेक्षण हेतु भ्रमण

दिनांक 19.04.2023 को महाविद्यालय के एम.ए. शिक्षाशास्त्र विषय के सभी छात्र–छात्राएं ग्रामीण महिलाओं की शैक्षिक अभिवृत्ति के सर्वेक्षण हेतु ग्राम भौवापार, गोरखपुर में महाविद्यालय द्वारा आरक्षित बस से विभागीय शिक्षकों के नेतृत्व में सुबह 8:00 बजे प्रोफेसर धीरेंद्र प्रताप सिंह एवं शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी निधि राय एवं विभाग के समस्त शिक्षकों के साथ रवाना हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा का प्रसार एक अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है और जो व्यक्ति शिक्षित है निश्चित रूप से उसे अन्य व्यक्तियों के हित में कार्य करना चाहिए। **मुख्य नियंता प्रोफेसर धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि ज्ञान दान महादान है आप** सभी समाज को जागरूक कर पुनीत कार्य कर रहे हैं, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। विद्यार्थियों ने सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत शैक्षिक स्थिति की जानकारी ली एवं महिलाओं के विचार जाने। इसी क्रम में ग्रामीण महिला अमरावती देवी ने कहा कि ''हम अशिक्षित हैं परन्तु हम अपने बालक और बालिकाओं को ऊंची से ऊंची शिक्षा दिलाना चाहते हैं।'' जिससे कि जीवन में जो परेशानियां हमें उठानी पड़ी वह हमारे बच्चों को ना उठानी पड़े। एक अन्य महिला जानकी देवी ने कहा कि आप लोग बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं।

April 2023

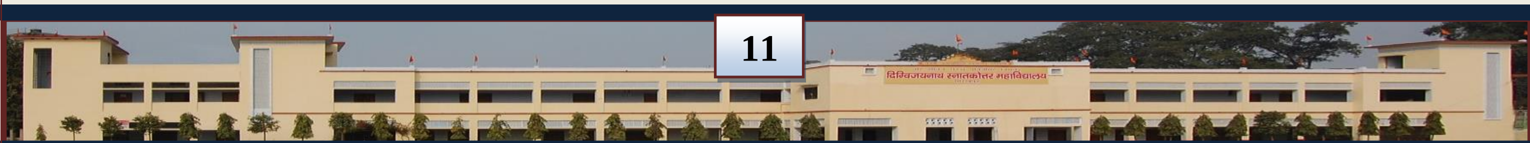

बी०एड० चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं ने किया स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन

दिनांक 21.04.2023 को महाविद्यालय के बी.एड. विभाग के चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं ने पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर एक सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत एक स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया । जिसके अन्तर्गत प्रशिक्षुओं ने समाज के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वच्छता कार्यक्रम का भी आयोजन किया । बी.एड. प्रशिक्षुओं ने जागरूकता रैली तथा स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर, हरिओम नगर तिराहा, बाल–विहार, इन्दिरा तिराहा, कचहरी चौराहा तथा टाउन हॉल चौराहा के आसपास तथा नालियों की साफ़–सफ़ाई की और मौजूद प्लास्टिक तथा अन्य कचरों को साफ किया । जागरूकता रैली महाविद्यालय से शुरू होकर इंदिरा बाल बिहार, कचहरी चौराहा, टाउन हॉल चौराहे से होते हुए महाविद्यालय पर समाप्त हुई।

April

पुनीत सागर अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने चलाया स्वच्छता कार्यक्रम

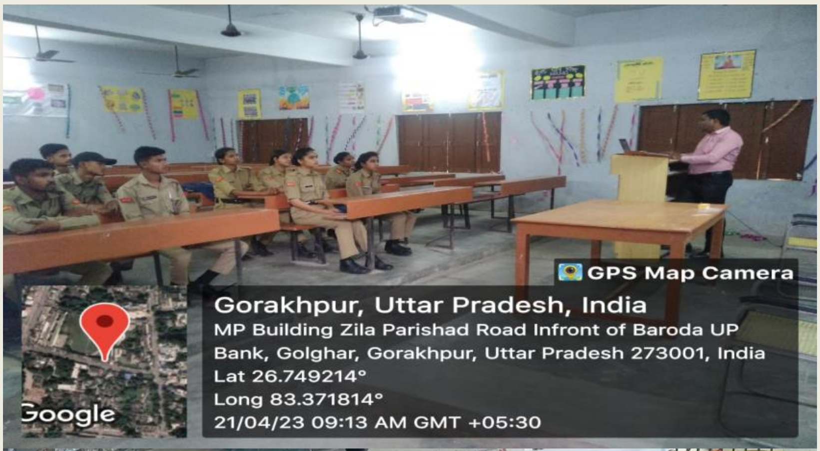

दिनांक 21.04.2023 को 44 यूपी बटालियन एनसीसी, गोरखपुर तथा महाविद्यालय, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में पुनीत सागर अभियान के अन्तर्गत पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सीटीओ डॉ. सुभाष चन्द्र ने अपने उद्‌बोधन में पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स को बताया कि पुनीत सागर अभियान की शुरुआत एनसीसी द्वारा समुद्र तटों, नदियों, झीलों तथा अन्य जल निकायों में मौजूद प्लास्टिक तथा अन्य कचरे को साफ करने और समुद्र तटों एवं नदी के किनारों को साफ रखने के महत्व के बारे में स्थानीय आबादी में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया । उसके बाद उन्होंने पृथ्वी दिवस के आयोजन की आवश्यकता एवं उसके महत्व से एनसीसी कैडेट्स को अवगत कराया । कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता अभियान चलाया । इस दौरान कैडेट्स ने हरिओम नगर तिराहा, बाल–विहार, इन्दिरा तिराहा, कचहरी चौराहा, टाउन हॉल चौराहा तथा महाविद्यालय के आसपास तथा नालियों की साफ़–सफ़ाई की और मौजूद प्लास्टिक तथा अन्य कचरों को साफ किया । इस कार्यक्रम का आयोजन 44 उत्तर प्रदेश बटालियन एनसीसी के सीटीओ डॉ. सुभाष चन्द्र, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर 44 उत्तर प्रदेश बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सतीश कंवर ने कहा कि पुनीत सागर अभियान के तहत इस तरह के स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के आयोजन की पुनरावृत्ति की आवश्यकता है जिससे समाज में जन–जन तक स्वच्छता अभियान सन्देश को प्रेषित किया जा सके । कार्यक्रम के अन्त में सीटीओ डॉ. सुभाष चन्द्र ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में आवश्यक सहयोग प्रदान करने

April 2023

हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों, 44 यूपी बटालियन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा एनसीसी के कैडेट्स को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया ।

शिक्षक-शिक्षा विभाग में द्विदिवसीय योग कार्यशाला का समापन

महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में 24 अप्रैल 2023 से चल रहे द्विदिवसीय योग कार्यशाला का समापन आज दिनांक 25–04–2023 को हुआ। इस कार्यशाला के प्रथम दिवस पर प्रथम सत्र में योग प्रशिक्षिका पूजा गुप्ता, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय गोरखपुर के द्वारा बी०एड० द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षुओं को योग का अर्थ, योग के सामान्य नियम, योग के महत्व, योग करते समय बरतने वाली सावधानियां एवं विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्याधियों को दूर करने में योग के फायदे पर चर्चा की गई तथा प्रशिक्षुओं को योग के पूर्व और पश्चात अपनाए जाने वाले खाद्य एवं पेय पदार्थों के संतुलित मात्रा में उपभोग करने एवं समय – समय पर स्वास्थ्य स्थितियों के अनुरूप योगासन को अपनाने की सलाह दी गई । कार्यशाला के द्वितीय सत्र में योग प्रशिक्षिका द्वारा पद्मासन, सिद्धासन,वज्रासन, भद्रासन, गोमुखासन, ताड़ासन, वृक्षासन आदि आसनों का अभ्यास कराया गया एवं प्रशिक्षुओं के शंकाओं का समाधान किया गया ।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में योग प्रशिक्षिका द्वारा प्रशिक्षुओं को भुजंगासन, हलासन, सलभासन, सर्वांगासन, अर्धचन्द्रासन, नौकासन, चक्कीआसन, सिंघासन, सूर्यनमस्कार आदि आसनों का अभ्यास कराया गया एवं ये आसन किन व्याधियों को दूर करने में सहायक होते हैं इस पर विस्तार से प्रकाश डाला गया । समापन के इस अवसर योग प्रशिक्षिका पूजा गुप्ता का स्वागत एवं आभार विभाग प्रभारी प्रो० गीता सिंह द्वारा किया गया।